भारत सरकार
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या - 2786

उत्तर देने की तारीख : 18.03.2025

भारतीय सांकेतिक भाषा

2786. श्री अनुराग शर्मा:

क्या सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की 500 पुस्तकों को भारतीय सांकेतिक भाषा (आईएसएल) में रूपांतरित करने की समय-सीमा क्या है;

(ख) इस पहल में विद्यालयों और विशेष शिक्षा संस्थानों को किस प्रकार जोड़ा गया है;

(ग) क्या कक्षाओं में आईएसएल आधारित कहानियों की पुस्तकों का उपयोग करने के संबंध में शिक्षकों और शिक्षाविदों हेतु कोई प्रशिक्षण कार्यक्रम की योजना है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री

(श्री बी.एल. वर्मा)

(क): राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी) की पुस्तकों का भारतीय सांकेतिक भाषा (आईएसएल) में रूपांतरण दिनांक 20 जनवरी 2025 को शुरू हुआ। दिनांक 7 मार्च 2025 तक 24 पुस्तकों की रिकॉर्डिंग पूरी हो चुकी है। रूपांतरण की प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से की जा रही है। इसके अतिरिक्त, वीरगाथा सीरीज की पांच एनबीटी पुस्तकों का लोकार्पण विद्यालयों, अभिभावकों और आम जनता के उपयोग के लिए किया गया है।

(ख): वीरगाथा सीरीज की पुस्तकें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और आईएसएलआरटीसी के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध हैं, जहां एक समर्पित प्लेलिस्ट बनाई गई है। आईएसएलआरटीसी पीएम ई-विद्या डीटीएच आईएसएल चैनल में एनसीईआरटी का एक भागीदार (पार्टनर) है, और इन पुस्तकों को आईएसएल टीवी चैनल पर प्रसारित किया गया है, जो विद्यालयों, विशेष शिक्षा संस्थानों, अभिभावकों और शिक्षकों तक व्यापक पहुंच सुनिश्चित करता है। पीएम ई-विद्या डीटीएच आईएसएल चैनल यूट्यूब पर भी उपलब्ध है। हाल ही में, हितधारकों की सुगम्यता बढ़ाने के लिये एनसीईआरटी के सहयोग से "स्पीक विद योर हेंड्स, कनेक्ट विद हार्ट " नामक एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

(ग) और (घ): वीरगाथा सीरीज की पुस्तकों को आईएसएलआरटीसी के विभिन्न प्रशिक्षण, जागरूकता और ऑरिएंटेशन कार्यक्रमों में शामिल किया गया है। आयोजित कार्यक्रमों का विवरण इस प्रकार है:

(i) शिक्षकों, अभिभावकों और प्राचार्यों के लिए पांच संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) आयोजित किए गए हैं।

(ii) आर्मी वेलफेयर एजुकेशन सोसाइटी के लिए तीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें विशेष शिक्षाविदों, काउंसलरों, अभिभावकों, और प्राचार्या को शामिल किया गया था ।

(iii) अंतर्राष्ट्रीय बधिर सप्ताह (आईडब्ल्यूडी) 2023 के दौरान दिव्यांगता क्षेत्र में कार्यरत विद्यालय, विशेष विद्यालय और स्वैच्छिक संगठन इन पुस्तकों पर उन्मुख (ऑरिएंटेड) थे।

(iv) दिव्य कला मेला, आईआईटीएफ और पर्पल फेस्ट गोवा जैसे कार्यक्रमों में आईएसएलआरटीसी प्रदर्शनी स्टालों के माध्यम से इन पुस्तकों के बारे में जन-जागरूकता बढ़ाई गई।

(v) विश्व पुस्तक व्यापार मेले में एक समर्पित समावेशी स्टाल लगाया गया जहां इन पुस्तकों को जन जागरूकता के लिए प्रदर्शित किया गया।

*****